प्रताप
पोखरियाल

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल ‘पर्यावरण प्रेमी’ को समय-समय पर मिले प्रमाण पत्र/प्रशस्ति पत्रों का संकलन

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड को श्री प्रताप पोखरियाल पर्यावरणप्रेमी द्वारा
गिलोय काढ़ा एवं औषधीय चाय भेंट करते हुए

माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखण्ड को उत्तरकाशी को
श्री प्रताप पोखरियाल पर्यावरण प्रेमी द्वारा गिलोय काढ़ा एवं औषधीय चाय भेंट करते हुए

महामहिम राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी एवं राज्यसभा सांसद श्री अनिल बलूनी जी को श्री प्रताप पोखरियाल पर्यावरणप्रेमी द्वारा गिलोय काढ़ा एवं गंगाजल भेंट करते हुए

16 जुलाई को हरेला पर्व के अवसर पर श्री रंगनाथ पाण्डे प्रभागीय वनाधिकारी, टिहरी डैम डिविजन/भूमि संरक्षण एवं गंगोत्री नेशनल पार्क तथा श्री डी0पी0 बलूनी प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तरकाशी वन प्रभाग द्वारा श्याम स्मृति वन एवं हर्बल गार्डन का विधिवत उद्घाटन कर वृहद वृक्षारोपण में सम्मिलित रहे ।

मा‍ननीय विधायक गंगोत्री श्री सुरेश सिंह चौहान को श्याम स्मृति वन में 15 अगस्त 2023 (स्वतंत्रता दिवस) के पावन पर्व पर वृक्षारोपण के पश्चात सम्मानित करते हुए श्री प्रताप पोखरियाल

मानीय विधाय गंगोत्री श्री सुरेश सिंह चौहान को श्याम स्मृति वन में 15 अगस्त 2023 (स्वतंत्रता दिवस) के पावन पर्व पर वृक्षारोपण के पश्चात सम्मानित करते हुए श्री प्रताप पोखरियाल

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी छात्रों द्वारा श्याम स्मृति वन का भ्रमण

Kalyan Rawat

6h ·

प्रताप पोखरियाल जी एक मोटर मैकेनिक हैं। उत्तरकाशी शहर में आपने एक खूबसूरत श्याम स्मृति वन की स्थापना की है।बरुणावत पर्वत से उत्तरकाशी शहर को बचाने के लिए आपने इस पर्वत के तलहटी में शहर से ऊपर लगभग 70हैक्टेयर भूमि में घना मिश्रत वन स्थापित किया है।वर्ष 2004से लगातार आप इस भू भाग में बांज, बुरांश,फल्यांट, रिंगाल,नीम, तेजपत्ता,कटहल, तथा अनेक प्रकार की जड़ी बूटी उगाई हैं।आपका प्रयास और स... See more

विकास भवन उत्तरकाशी में मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार
के साथ श्री प्रताप सिंह पोखरियाल हर्बल गार्डन में पौधों का रोपण करते हुए

विभिन्न तोकों में ५ है० वन भूमि पर तोतारिया सौड़ नामे तोक में श्याम स्मृति वन

द्वितीय
वन
तोतरिया
सौड़
५ है०
भाग-४

द्वितीय
वन
अखोड़ू
नामे तोक
५ है०
भाग-५

द्वितीय
वन
सिरवाणू
खाल
नामेतोक
२ है०
भाग-६

सन् 1980 वरूणावत पर्वत तलहटी बंजर भूमि का दृश्य

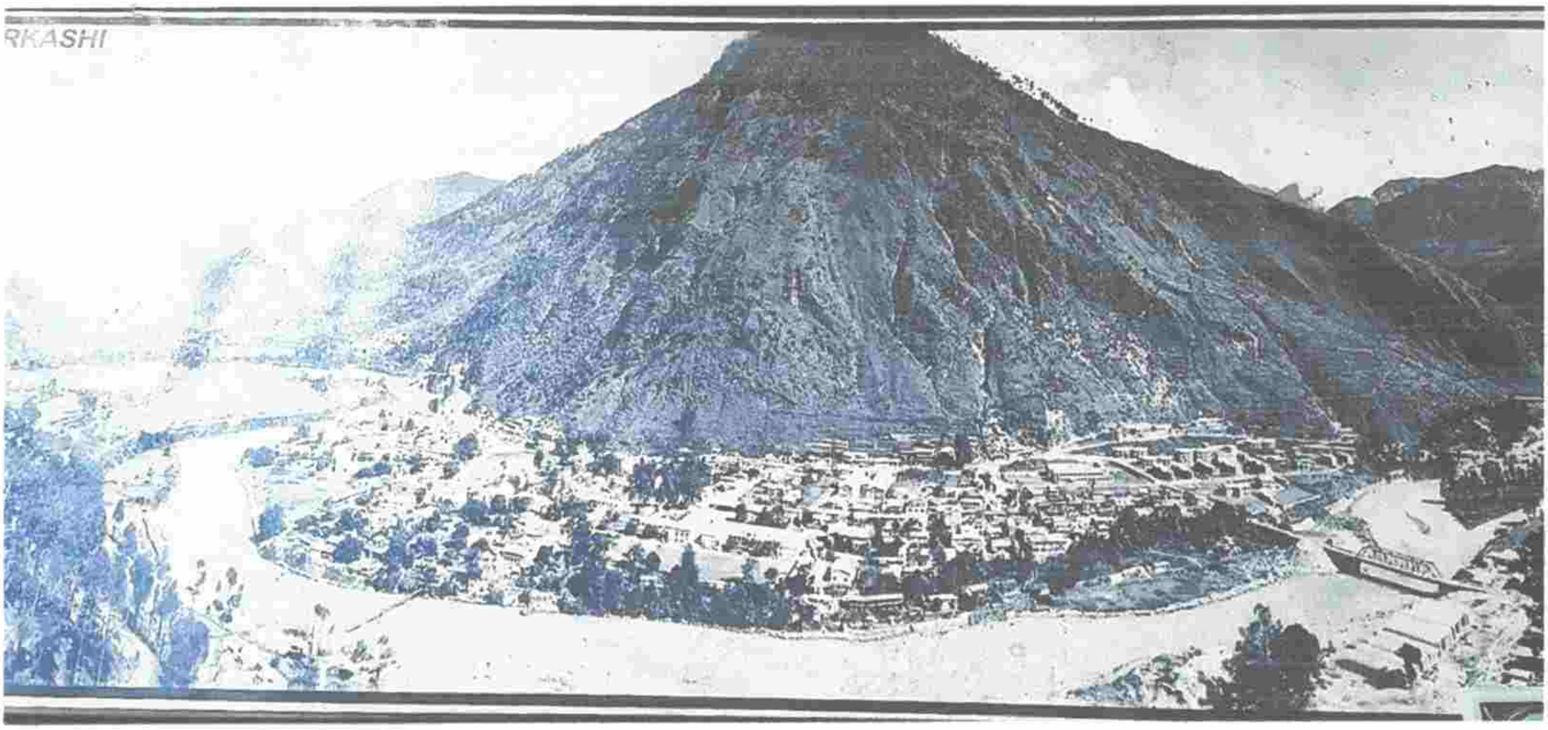

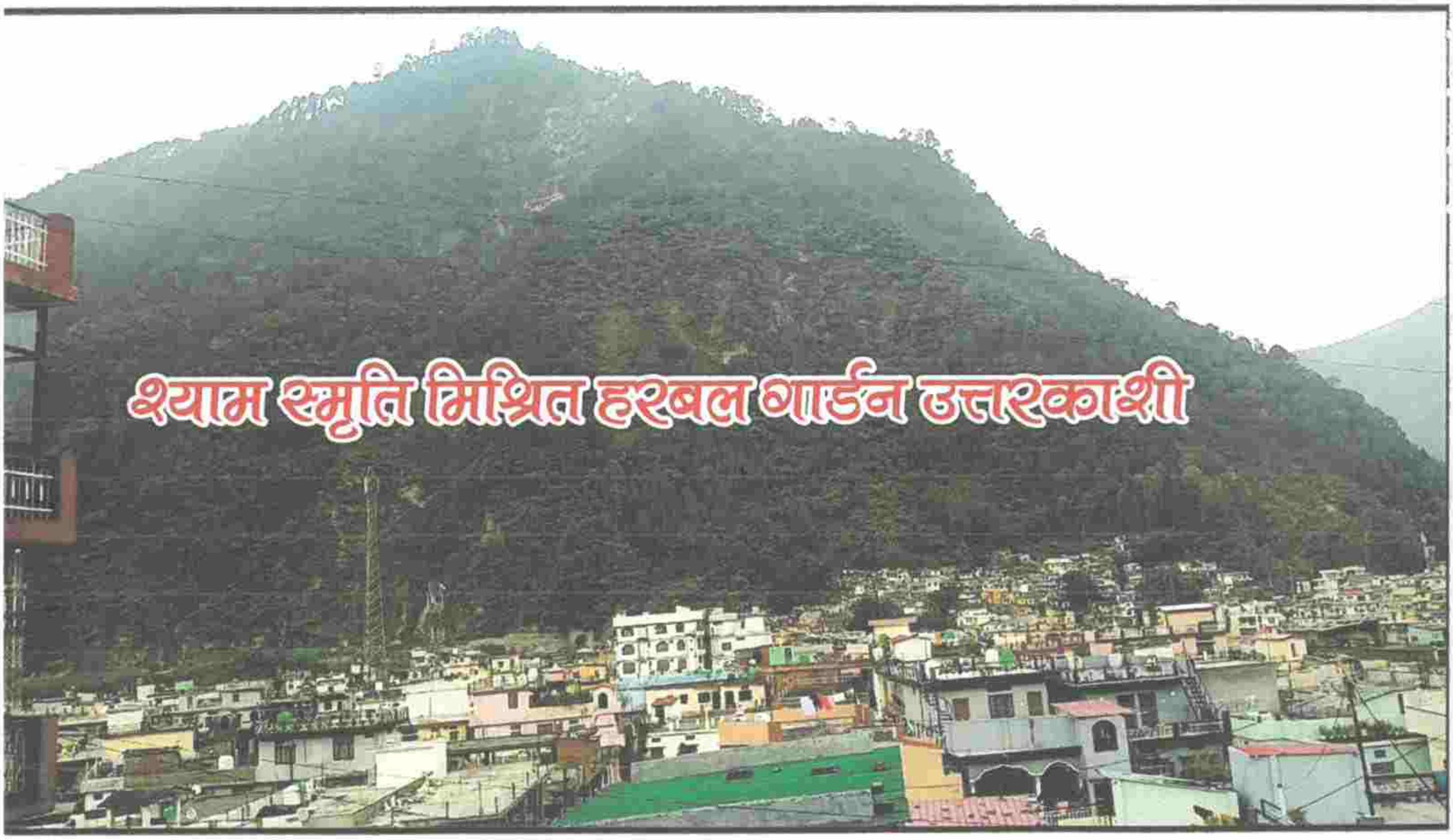

स्वयं के संसाधनों निस्वार्थ भाव से 1 जुलाई 1980 से बंजर भूमि को वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए 40 हे0 से अधिक सिविल स्वय की भूमि को निरन्तर 5 लाख से अधिक 200 से अधिक प्रजाति के पोधों को रोपण कर 80 प्रतिशत पौधे धरातल पर पनप रहे हैं। जिसका लाभ हर प्राणी को मिल रहा है। यह दृश्य 2023 का है।

- चतुर्थ वन-

उपला-निचला दुगड़ा नामे तोक में ५ है० से अधिक वन भूमि पर शहीद पवन दास, श्याम मिश्रित स्मृति वन

चराखोली नामे तोक में श्याम स्मृति वन

विभिन्न तोकों में ५ है० वन भूमि पर

द्वितीय
वन
५ है०
भाग-१

द्वितीय
वन
घण्डियाल
धार
नामेतोक
५ है०
भाग-८

द्वितीय
वन
रड़ाघोडि
धार
नामेतोक
२ है०
भाग-

पौंड नामे तोक में 09 हे0 भू ... त वन

प्रथम वन भाग-1

प्रथम वन भाग-1

प्रथम वन भाग-1

- तृतीय वन -

वन पंचायत भूमि पर ६ है० से अधिक मन्दारी खाल, भौल़, सेमलू नामे तोक में श्याम मिश्रित स्मृति वन (रेंज अधिकारी और वन दारोगा द्वारा ४ वनों का आंकलन)

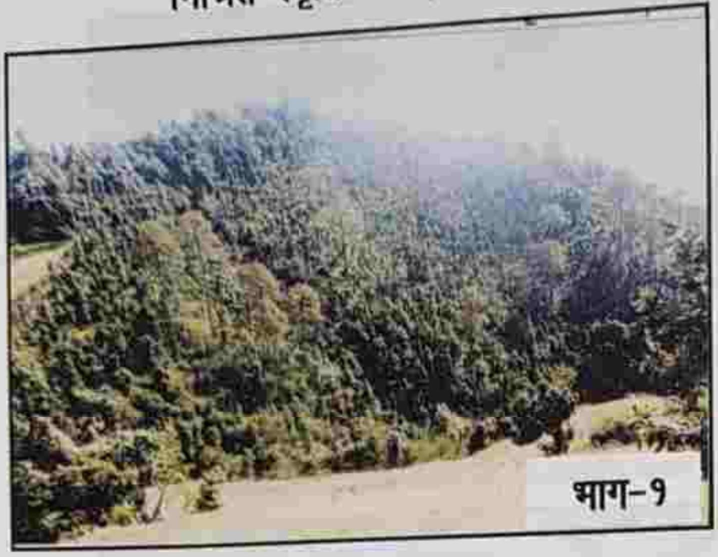

भाग-१

भाग-२

भाग-३

भाग-४

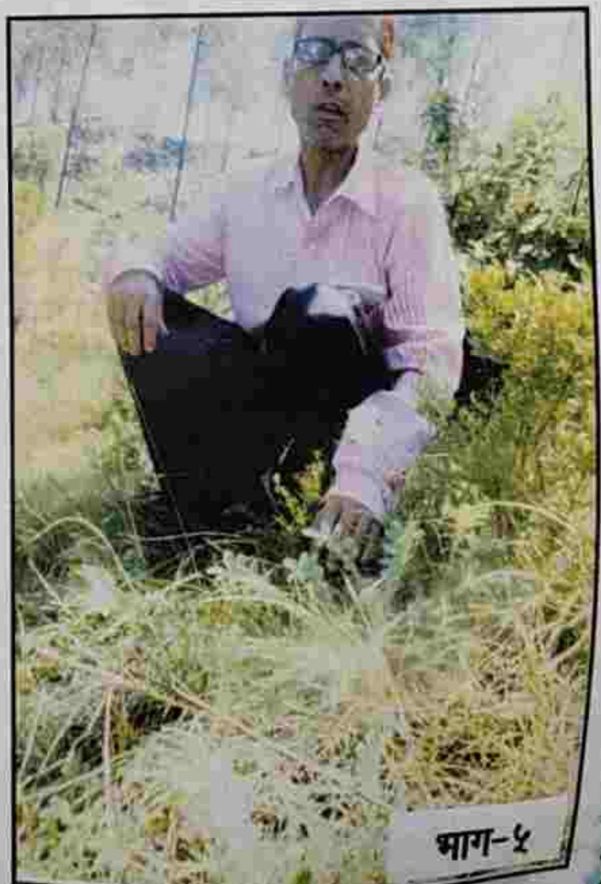

भाग-५

५०(1)

SAVE HIMALAYA MOVEMENT

Ganga Himalaya, Tehri- Pin 249001

Ref. ५..../४/१२   Date २०.११.२०१२

सेवार्नें,

श्रीमान सांख्यकीय सलाहकार (ई.आई.प्रभाग)
पर्यावरण एवं वन मंत्रालय
कमरा नम्बर 906,पर्यावरण भवन
जी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स लोधी रोड
नई दिल्ली।

महोदय,

श्याम स्मृति वन पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति के द्वारा अध्यक्ष श्री प्रताप पोखरियाल के कुशल नैतृत्व एवं निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण एवं वनों को पनपाने के लिए विगत 40 वर्षो से अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा विभिन्न स्थानों पर 7 वनों को तैयार किया गया है, जहाँ पर लगभग 200 मिश्रित प्रजाति के 15 लाख से अधिक वृक्ष सफलतापूर्वक पनप रहे हैं। मुझे भी इनके द्वारा वरूणावत तलहटी में तैयार वनो को अवलोकन करने का अवसर मिला तथा इनके कार्यो को देखते हुए प्रसन्नता हुई।

श्याम स्मृति वन पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति द्वारा बिना आर्थिक सहायता के जो कार्य किये जा रहे हैं वे उत्पकृष्ट एवं सराहनीय हैं। इनके कार्यो को दृष्टिगत रखते हुए यदि इनकी संस्था को " **इन्दिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार"** मिलता है तो यह इसके वास्तविक हकदार होंगे। साथ ही संस्था भविष्य में और अधिक उत्साहित एवं दक्षता के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान देगी।

शुभकमानाओं के साथ।

भवदीय

सुन्दर लाल बहुगुणा २०/११

(सुन्दर लाल बहुगुणा)

पर्यावरणविद

प्रमाण-पत्र

मुझे श्री प्रताप सिंह पोखरियाल द्वारा पनपाये उत्तरकाशी की वरूणावत तलहटी के वन को देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इनके द्वारा पनपाये इस मिश्रित वन, जिसमें औषधीय पादप भी सम्मिलित है, को देखकर सुखद अनुभूति हुई तथा मैंने यह महसूस किया कि पर्यावरण के प्रति इनमें जूनून है।

इनके द्वारा विभिन्न स्थानों में श्याम स्मृति वन के नाम से 06 मिश्रित वनों में लगभग 95200 (पिचान्बे हजार दो सौ) विभिन्न प्रजाति के पौधों को पनपाया गया है। इनके द्वारा पनपाये वनों से न केवल धरती हरी-भरी हुई है, बल्कि भूमि का कटाव रोकने तथा शोध छात्रों के लिए शोध करने का माध्यम भी ये वन बने हैं, साथ ही विभिन्न कार्यालयों, विद्यालयों व कार्यक्रमों व शादी-विवाह के अवसर पर वृक्षारोपण कर समाज को जागृत करते हैं।

राष्ट्रीय व सामाजिक कार्यों में श्री प्रताप सिंह पोखरियाल सदैव बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हैं, स्वचछता, स्वास्थ्य, गंगा सफाई अभियान, नशा मुक्ति अभियान, दैवीय आपदा, धार्मिक कार्य, निर्धन, निराश्रित, असहाय लोगों की सेवा-सुश्रषा में पूर्ण शक्ति व तन्मयता के साथ लगे रहते हैं।

मैं श्री प्रताप सिंह पोखरियाल के समाजोपयोगी कार्यों की तहेदिल से भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूँ। मेरा मानना है कि इस प्रकार के लोगों को अवश्य ही पुरस्कृत व प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि वे भविष्य में दुगने उत्साह के साथ कार्य कर समाज व राष्ट्र को अपने कार्यों से लाभान्वित कर सकें।

मैं श्री प्रताप सिंह पोखरियाल के उज्जवल, मंगलमय व समृद्धिकारक भविष्य की शुभकामना करता हूँ।

चण्डी प्रसाद भटट्
सर्वोदय केन्द्र गोपेश्वर
उत्तराखण्ड।

①B

प्रमाण–पत्र

श्री प्रताप पोखरियाल द्वारा 06 मिश्रित वन तैयार किये हैं तथा विभिन्न प्रजातियों के औषधीय पादपों सहित 95200 (पिचान्वे हजार दो सौ) पौधों को पनपाया गया है। मैंने स्वयं वरूणावत की तलहटी उत्तरकाशी में इनके द्वारा पनपाये श्याम स्मृति वन को देखा है।

आप कार्यालयों, विद्यालयों व विवाह के शुभअवसर पर स्थान–स्थान में भ्रमण करके वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु लोगों का जागृत करने का कार्य करते रहते हैं। शौध छात्र भी आपके वन में आकर शोध कार्य कर लाभान्वित होते हैं।

वृक्षारोपण के अलावा आप स्वच्छता अभियान, धार्मिक कार्यों, दैवीय आपदा, स्वास्थ्य दीन दुखियों व निराश्रितों की सेवा–सुश्रषा में निःस्वार्थ भाव से निरन्तर लगे रहते हैं।

श्री प्रताप पोखरियाल का पार्यावरण व सामाजिक कार्य निःसन्देह काबिले तारीफ है। मेरा मानना है कि इस किस्म के व्याक्तियों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि ये और अधिक उत्साह के साथ अपने कार्यों को करते हुए समाज को लाभान्वित कर सकें।

मैं इनके उज्जल, मंगलमय व प्रगतिदायक भविष्य की कामना करता हूँ।

दिनांक - 06-10-2016

डॉ0 अनिक प्रकाश जोशी 'पदमश्री'
शुक्लापुर गांव
प्रेम नगर देहरादून

उत्तरांचल पर्यावरण संरक्षण एंव प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

पर्यावरण पुरस्कार-२००५

श्री प्रताप पोखरियाल "पर्यावरण प्रेमी"

को

पर्यावरण संरक्षण एंव प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र मे किये गये उत्कृष्ट कार्यो के लिये वर्ष 2005 हेतू

पर्यावरण पुरस्कार

से अलंकृत किया जाता हैं।

डा0 रणबीर सिंह, भा.प्र.से.
सदस्य सचिव

एस. के. दास, भा.प्र.से
अध्यक्ष

9th annual BOSTON green FEST

GREEN INITIATIVE AWARD

PRATAP SINGH POKHRIYAL

For making a tremendous contribution toward creating a more sustainable future through education and research.

Date: Sunday, August 21, 2016

TAKE a STEP

Dr. Karen L. Weber, Executive Director

नवसम्वत्सर स्वागत २०६८
एवं
सुभारती सम्मान समारोह
दैनिक प्रभात, सीधी बात, सच्ची बात
(स्वतंत्रता पूर्व से प्रकाशित)
बैसाख कृष्ण पक्ष तृतीय, दिनांक २०-०४-२०११
सौजन्य से:-
शिक्षा और संस्कार का संगम
स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ
website : www.subharti.org
Mob. : 9639010241, 9639010194
उत्तर प्रदेश अधिनियम सं० २९/२००८ के अन्तर्गत पारित एवं यू.जी.सी. धारा २एफ के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त

स० 5

गंगा रक्षक

उत्तरकाशी शहर को पॉलीथीन मुक्त करने की दिशा में सराहनीय योगदान के लिए "बई बचौंणी" कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन की ओर से

प्रताप पोखरियाल (पर्यावरण विद्)

को यह प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

(सी० रविशंकर)
जिलाधिकारी
उत्तरकाशी।

दिनांक : 2 अक्टूबर, 2014

विश्व मित्र परिवार

वसुधैव कुटुम्बकम्

विश्व मित्र परिवार

श्रावण शुक्ल एकादशी ११, युगाब्द- ५११३, मंगलवार, (9 अगस्त, 2011)
श्रीराम सेन्टर, मण्डी हाउस, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी

विश्व के नवनिर्माण में भारतीय संस्कृति का योगदान

प्रशस्ति पत्र

अंग्रेजों भारत छोड़ो एवं भारतीय धरोहर दिवस के शुभअवसर पर
श्री प्रताप पोखरियाल को पर्यावरण के आलोक में सराहनीय एवं
उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें युगाब्द - ५११२ के
पर्यावरण रत्न से अलंकृत करते हुए
हमें विशेष गर्व की अनुभूति हो रही है।
विश्व मित्र परिवार उनके स्वास्थ्य, समृद्धि, प्रगति एवं उज्ज्वल
भविष्य की मंगल कामना करता है।

कुलाधिपति	संस्थापक अध्यक्ष	संरक्षक	अध्यक्ष
का. कामधेनु अहिंसा विश्वविद्यालय	विश्व मित्र परिवार	ब्रह्मराज विश्व गुरुकुल	विश्व महिला परिवार

सहयोजक : तरंग मीडिया प्रा. लि. एवं कामधेनु चैनल प्रा. लि. मो. 9999466822, 9013666651/2

सत्यंवद ॥ जय श्री राम ॥ धर्मंचर

सम्मान-पत्र

श्री रामायण प्रचार समिति (र.)

हृषीकेश

द्वारा

उत्तराखण्ड पीठाधीश्वर जगद्गुरू
स्वामी कृष्णाचार्य जी महाराज

श्री गोपालाचार्य शास्त्री जी महाराज
(संस्थापक अध्यक्ष, रामायण प्रचार समिति)

श्री प्रताप पोखरियाल (पर्यावरण विद्) को 'वृक्ष मुनि' की उपाधि से विभूषित **सप्रेम भेंट** किया गया है।

इकत्तीशवाँ वार्षिकोत्सव

तुलसी जयन्ती समारोह - 2016

स० (8)

उत्तराखण्ड उदय सम्मान
2016

श्री प्रताप पोखरियाल
पर्यावरणविद्

श्याम स्मृति वन पर्यावरण
एवं जन कल्याण समिति

को

पर्यावरण

के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु

उत्तराखण्ड भूषण

पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

DOON GROUP OF COLLEGES

अमर उजाला

हर सवेरे नया जोश नया उजाला

Vikas Foundation

World Environment Day
BIO DIVERSITY
5 जून 2020

पर्यावरण मित्र
सम्मान-पत्र
वर्ष २०२०

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल

श्याम स्मृति वन पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति

सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् श्री प्रताप सिंह पोखरियाल जी को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान पत्र प्रदान करते हुए नैचुरल रिसार्स मैनेजमेन्ट सोसाइटी (NRMS) गर्व की अनुभूति कर रहा है। आपके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घ जीवन की शुभ कामनाओं सहित।

शुभाकांक्षी

Natural Resource Management Society
nrms

दिनांक
5 जून 2020

सचिव

दिनांक 5 जून 2017 विश्व पर्यावरण दिवस के सुभ अवसर पर पुज्य चिदानन्द सरस्वती मुनि महाराज अध्यक्ष परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के सोजन्य से मुख्य अतिथि मा० माला राज लक्ष्मी शाह सांसद के द्वारा श्री प्रताप पोखरियाल पर्यावरण प्रेमी को उत्तराखण्ड पर्यावरण प्रहरी पुरस्कार से नवाजा गया

11a

उत्तराखण्ड शासन

नमामि गंगे

गंगा गौरव सम्मान

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (जल शक्ति मन्त्रालय, भारत सरकार)
के तत्वाधान में जनपद स्तर पर आयोजित
"गंगा उत्सव- 2022" कार्यक्रम के अन्तर्गत

श्री प्रताप पोखरियाल "पर्यावरण प्रेमी"

मेन बाजार, उत्तरकाशी

को गंगा की स्वच्छता, निर्मलता एवं अविरलता के प्रति किये गये सराहनीय कार्य हेतु **"गंगा गौरव सम्मान"** प्रदान किया जाता है।

प्रभागीय वनाधिकारी/सचिव
जिला गंगा समिति, उत्तरकाशी

दिनांक:- 26 नवम्बर, 2022

जिलाधिकारी/अध्यक्ष
जिला गंगा समिति, उत्तरकाशी

वन पंचायत उत्तराखंड

वन विभाग उत्तरांखण्ड

वन पंचायत दिवस 2011

प्रशस्ति पत्र

वनों के संरक्षण संवर्द्धन, अग्नि सुरक्षा, जन जागरूकता सम्बन्धी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने हेतु वन पंचायत दिवस 2011 में श्री प्रताप पोखरियाल वन पंचायत सरपंच भैंत उत्तरकाशी को माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड डॉ० रमेश पोखरियाल 'निशंक' के कर कमलों द्वारा प्रथम / ~~द्वितीय~~ क्रम प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया जाता है।

दिनांक : 9 सितम्बर 2011

(एस० एस० शर्मा)
प्रमुख वन संरक्षक
वन पंचायत एवं संयुक्त वन प्रबन्धन
उत्तराखण्ड, नैनीताल

(गोविन्द सिंह बिष्ट)
मंत्री
वन, वन्य जन्तु, पर्यावरण
न्याय, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा एवं प्रौढ़ शिक्षा,
उत्तराखण्ड सरकार

प्रशस्ति–पत्र

श्री प्रतापसिंह पोखरियाल, निवासी ग्राम भैंत, तहसील डुण्डा, विकास खण्ड, डुण्डा, जनपद उत्तरकाशी ने ग्राम भैंत में अपनी निजी भूमि पर तथा विकास खण्ड के अन्य क्षेत्रों में विभिन्न प्रजाति के वृक्षों का रोपण निजी प्रयासों के किया है । पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में श्री पोखरियाल का यह कार्य प्रशंसनीय है तथा क्षेत्र के अन्य काश्तकारों के लिए प्रेरणा स्रोत है ।

दिनांक 19–5–2006
स्थान– उत्तरकाशी ।

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)
जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी ।

वन विभाग उत्तराखण्ड

वन पंचायत सम्मेलन, 2015

प्रशस्ति पत्र

पंचायती वनों के संरक्षण, संवर्द्धन, अग्नि सुरक्षा व जन जागरूकता सम्बन्धी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट

कार्य करने हेतु गढ़वाल मण्डल की वन पंचायतों का श्रीनगर में आयोजित

एक दिवसीय वन पंचायत सम्मेलन, 2015 में

श्री/श्रीमती प्रताप सिंह पोखरियाल, सरपंच वन पंचायत, भैंत .... को

माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड श्री हरीश रावत जी द्वारा सम्मानित किया जाता है।

दिनांक : 20 नवम्बर, 2015

(राजेन्द्र कुमार)
प्रमुख वन संरक्षक
वन पंचायत, उत्तराखण्ड

(दिनेश अग्रवाल)
मंत्री
वन, वन्य जीव, खेल, विधि एवं न्याय
उत्तराखण्ड सरकार

Union Bank बरेली रोड शाखा, जिला हल्द्वानी – 263 139 उत्तराखण्ड
BAREILLY ROAD, HALDWANI - 263139
IFSC: UBIN0567809

दिनांक Date 16 11 2015

प्रताप पोखरियाल
पर्यावरण प्रेमी) (सरपंच) 'अध्यक्ष' श्याम स्मृति वन पर्यावरण समिति, मैंद्रथ
वन पंचायत उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड) Or Bearer

रु. बीस हजार मात्र

अदा करें।

534702010002042 Cheque No. 21009404

For PRAMUKH VAN SAR... EVAM SAYUK...

AuthorisedSignatory

"009404" 000026000: 678621" 31

वन पंचायत सम्मेलन 2015

प्रशस्ति पत्र

दिनांक 05 जून, 2004 "विश्व पर्यावरण दिवस" के उपलक्ष में जनपद उत्तरकाशी में दिनांक 26 मई, 2004 से 02 जून, 2004 तक प्लास्टिक प्रबन्धन एवं निस्तारण सप्ताह मनाया गया। जनपद स्तर पर प्लास्टिक एकत्र करने की प्रतियोगिता में **श्री प्रताप सिंह पोखरियाल,** पर्यावरण प्रेमी, वन पंचायत सरपंच, ग्राम– भैंत, (गाजणा) हाल निवासी– भटवाड़ी रोड़, उत्तरकाशी द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। जिसके लिये श्री पोखरियाल को उत्तरांचल शासन द्वारा रू०– 15,000–00 (रू० पन्द्रह हजार मात्र) पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार "**स्वतन्त्रता दिवस**" के पावन पर्व पर इन्हें दिया जाता है।

श्री पोखरियाल, की इस सराहनीय कार्य के लिये प्रशंसा की जाती है।

(के० के० पन्त)
जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

स्थान– उत्तरकाशी।
दिनांक– 15 अगस्त, 2004

Printed by:- KOTHIYAL OFFSET, Uttarkashi. Ph.

15

vasudhev kutumbhkam

BOOK OF RECORDS

Certificate

THIS RECORD OF
"MAXIMUM TREE PLANTATION IN 40 YEARS"
IS ACHIEVED BY
MR. PRATAP SINGH
UTTAR KASHI (UTTARAKHAND) INDIA
THEY ARE PLANTING 1300000 (THIRTEEN LAKH) PLANTS
IN UTTAR KASHI (U.K.) INDIA

SALUTES THE TALENT

Organized by:- Tree Bank Life Line

Sponsor by:- SHOP SAVE jaipurfab aamaya XNY

LIFE LINE ENVIRONMENT SOCIETY
Regd. No. 31/2014 (Under Act No. 21,1860)
Head office: Vill. Angun Tanda, Bareilly (U.P.) INDIA. Contact: [illegible], Whatsapp: [illegible]
Web: www.lifelinesociety.com

प्रशंसा सम्मान प्रमाण पत्र

मैं प्रधान ग्राम पंचायत मैन्त वाला यह प्रमाणित करता हूँ कि स्व० श्री श्यामसिंह पोखरियाल निवासी ग्राम मैन्त वाले का जेष्ठ पुत्र श्री प्रतापसिंह पोखरियाल अपने स्व० पिता के पद चिह्नों पर चलकर पर्यावरण के क्षेत्र में श्लाघनीय कार्य किया, उनके स्व० पिता ने अपने जीवन काल में सर्वप्रथम अपनी स्वयम् की नाप भूमि पर में सन 1960-61 में खाली पडी जमीन पर चारें के पौधे बांज, भीमल, मेहरु, खरसू आदि के वृक्षो का वृक्षारोपण किया, जिससे शीतकाल में उनके पशुओं के चारे की कोई समस्या नहीं होती थी, सन 1979 में श्री प्रतापसिंह के पिता का आकस्मिक निधन हुआ, तत्पश्चात परिवार की प्रेरणा, उनके चारापत्ती की समस्या के निधान हेतु पर्यावरण वनों के विस्तार हेतु करने के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए श्री प्रतापसिंह पोखरियाल ने अपने ग्राम पंचायत मैन्त गांव में चारागाह में खाली भूमि पर बाँज, बुरांश, खरसू, मेरु, भमोर, भीमल, आदि वृहद वृक्षारोपण का कार्य किया, तथा वन लगाओ– वन बचाओ अभियान जारी रखा और सिविल-सोयम भूमि आरक्षित भूमियों जो पौड, स्वैगणियान्द, कतियाण, परगल्ली, भुन्ना की चौली, उपला, नीचला, तोतरिया सैड़, अखौड़ सिरवाणकी खाल, घडियालीधार, रडधौडीधार सेमलू भाल में हजारो नाली से अधिक बन्जर भूमियों पर वृक्षारोपण हेतु पुरुषों व महिलाओं को संघठित कर संयुक्त रुप से सहयोग के लिए इक्कठा कर वृक्षारोपण का कार्य किया, जिसके फलस्वरूप ग्राम पंचायत को धीरे-धीरे चारापत्ती पशुओं के लिए, और जलावन लकडियाँ उपलब्ध होने इन्धन की समस्या का समाधान हुआ,

सन 1971 से 1982 तक ग्राम पंचायत द्वारा शासन-प्रशासन को वनीकरण के सुधारीकरण, व सुरक्षा हेतु प्रस्ताव भेजते रहे, तो आर्थिक सहायता वन प्रशासन ने ग्राम पंचायत को उपलब्ध होने पर श्री प्रतापसिंह पोखरियाल को वृक्षारोपण (वनीकरण) में और गति मिलने से सेमलू नामे तोक में अपनी स्वयम की भूमि पर नर्सरी तैयार कर ग्राम पंचायत की समस्त वनीकरण तोको में लगभग 6 लाख से अधिक प्रजाति के चारापत्ती पौधों का वृहद वृक्षारोपण किया, जिससे पशु पालने वाले परिवार, व महिलाओं की समस्यों का समाधान भी हुआ, अयार हानी जहाँ से देगुडगदेरा आता है, वहां पर भी वृक्षारोपण (वनीकरण) से साजित किया गया है, श्री प्रतापसिंह पोखरियाल के वृक्षारोपण कार्यक्रम से मुझे भी वृक्ष लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, इनके हरियाली (वृक्षारोपण) की प्रेरणा को देखते समस्त ग्रामवासी व क्षेत्रवासी अनुकरण करते हैं, मैं इनके सफल कार्यक्रम पर ढेर सारी बधाई देता हूँ, और इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

माघ वसन्त पञ्चमी

विशेश्वर प्रसाद (हस्ताक्षर) 28.01.2022
(विशेश्वर प्रसाद भट्ट)
प्रधान - मैन्त - गाणगा

(17)

No.GE 2020/15

ENVIRONMENT PROTECTOR AWARD
(2019-20)

Sh Pratap Singh Pokhariyal

PRESIDENT, SHYAM SMRITI VAN
UTTARKASHI, UTTARAKHAND
has been honoured with the

ENVIRONMENT PROTECTOR AWARD for the year 2019-20, in recognition of his remarkable contribution made for the cause of protection and conservation of Environment - Ecosystem.

25/10/2020
Dr Naresh Bhardwaj
Environmentalist, Green Earth

25-10-2020
Dr Ashok Chauhan
Secretary, Green Earth

SECRETARY
GREEN EARTH
KURUKSHETRA

GREEN EARTH-NGO, KURUKSHETRA
(Organization for Environment, Health, Safety & Sanitation)
Shopping Complex, New Shanti Nagar, Kurukshetra
Email- greenearthngo.2006@gmail.com, **Ph- 9468315618**

270 (18)

Global Green Award 2020

29th December

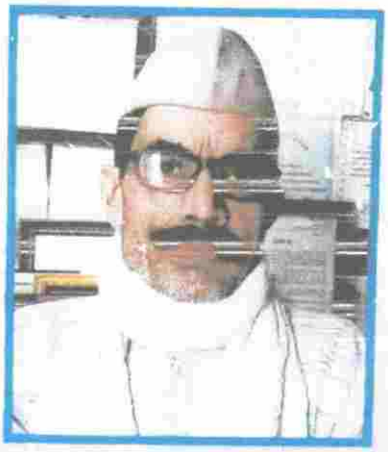

Mr. PRATAP SINGH POKHARIYAL

PARYAVARAN PREMI PRESIDENT SHYAM SMRITI VAN UTTARKASHI (U.K.)

For outstanding and priceless contribution to the country

Our Trust honors you with the Global Green Award for the excellent work you have done and wishes you a bright future. Thank you.

Mrs. Poonam Singh	Priya Dutt	Renu Wadhwa	Chief Guest Mr. Sukhram Vishnoi
Managing Director	Founder (Tree Bank)	Founder (SNVT)	Environment Minister (Rajasthan Government)

Organized by Tree Bank | Life Line Environment Group | SOMNATH NAKSHATRA VATIKA TRUST S.N.V.T.

Media Partner: INA NEWS

Sponsored by:- SHOP SAVE, jaipurlab, aamaya

LIFE LINE ENVIRONMENT SOCIETY
Regd. No. 31/2014 (Under Act No. 21.1860)
Head office Vill. Anguri Tanda, Bareilly (U.P.) INDIA
Contact 9368934034 Whatsapp 7417505844
Web www.lifelinesociety.com

SOMNATH NAKSHATRA VATIKA TRUST (SNVT)
Regd. No. : 29/2020, Under Act No. 1959 (1958 of 42) Jaipur
Head office: 8, Ka 4B, Jawahar Nagar, Jaipur (Rajasthan) INDIA
Contact: [illegible], Whatsapp: [illegible]

(19)

स्थापना – 30 दिसम्बर 1992

भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा रजि. नं. – 68162/92

हिमालय और हिन्दुस्तान

हिमालय और हिन्दुस्तान सम्माननीय श्री प्रताप पोखरियाल जी

को मंडल स्तर पर "पर्यावरणवादी"

क्षेत्र

में इनकी उत्कृष्ट सेवाओं, सराहनीय कार्यों एवं योगदान के लिए अपनी 21वीं वर्ष पर 30 दिसम्बर 2013 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष – अध्यात्म – प्राकृतिक चिकित्सा – आयुष – आयुर्वेद – मीडिया महासम्मेलन एवं हिमालय और हिन्दुस्तान सम्मान समारोह में इन्हें

हिमालय और हिन्दुस्तान

भूषण

एवार्ड–2013

प्रदान कर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

हिमालय और हिन्दुस्तान इनकी दीर्घायु, स्वस्थ – सुखद जीवन

(हस्ताक्षर)

डा0 रवि रस्तोगी

संस्थापक – निदेशक चीफ एडीटर
एवं मुख्य कार्यक्रम संयोजक

हिमालय और हिन्दुस्तान फॉउन्डेशन

जग में सुन्दर हैं दो नाम, हिमालय और हिन्दुस्तान

Email : himalayaaurhindustan@gmail.com, Moh. : 9897340067

(19) B.

सम्मान पत्र

श्री प्रताप पोखरियाल, उत्तरकाशी द्वारा सामाजिक क्षेत्र (पर्यावरण) में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए उनकी सराहना करते हुए उन्हें दिनांक-26.1.2010 को गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर सम्मानित किया जाता है।

डा०आर०राजेश कुमार मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरकाशी	मुख्तार मोहसिन, पुलिस अधीक्षक, उत्तरकाशी	सौरभ जैन जिलाधिकारी उत्तरकाशी

ENVIRONMENT & SUSTAINABILITY

eNGOchallenge

enable empower & recognise

(20)

Certificate of Recognition

Pratap Pokhriyal (Environment Alist)

SHYAM SMRITI VAN PARYAVARAN AVAM JAN KALYAN SAMITI

For conserving environment through tree plantation [illegible]

Grand [illegible] Winner for the [illegible]

DEF

Your Public Interest Registry

(21) B

गणतंत्र दिवस समारोह, 2016

जनपद उत्तरकाशी

सम्मान पत्र

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल (पर्यावरण प्रेमी) के द्वारा जनपद में पर्यावरण के संरक्षण हेतु उत्कृष्ट कार्य किया गया है, जिसके लिए इनकी सराहना की जाती हैं । यह सम्मान-पत्र गणतन्त्र दिवस समारोह वर्ष, 2016 के अवसर पर श्री पोखरियाल को सहर्ष प्रदान किया जाता हैं ।

मै इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ ।

जिलाधिकारी

जिलाधिकारी
उत्तरकाशी

(22)

नेहरू युवा केन्द्र उत्तरकाशी

(युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार)

-: प्रशस्ति प्रमाण पत्र :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्याम स्मृति वन पर्यावरण एवंज न कल्याण समिति उत्तरकाशी, जनपद उत्तरकाशी के कार्यालय नेहरू युवा केन्द्र उत्तरकाशी की ओर से दिनॉक 1/4/2009 से 31/3/2010 तक जनपद उत्तरकाशी मे किये गये सामाजिक उत्थान ,शिक्षा व पर्यावरण ,व्यवसायिक प्रशिक्षण ,स्वय सहायता समूह गठबन्धन -संचालन अन्य विभागो के साथ कार्य करना व स्थानिक प्रशासन के साथ सराहनीय कार्य करने पर वर्ष 2009-10 का सर्वश्रेष्ठ **जिला युवा मण्डल पुरस्कार** प्रदान किया जाता है ।

कार्यालय कि ओर से इस युवा मण्डल के उज्जवल भविष्य की कामना की जाती है ।

दिनॉक 19/1/2011

मण्डल निदेशक
नेहरू युवा संगठन
देहरादून (उत्तराखण्ड)

जिला युवा समन्वयक
नेहरू युवा केन्द उत्तरकाशी

मुख्यमंत्री वन पंचायत सुदृढीकरण योजना

उत्तराखण्ड सरकार

वर्ष 2009-10

में

सामुदायिक वानिकी व वन पंचायतों के

विकास/प्रोत्साहन

तथा

एफ.डी.ए. (फारेस्ट डेवलेपमेन्ट एजेन्सी)

हेतु उत्कृष्ट कार्य करने पर

मा. मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड,

डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

द्वारा प्रदान की जाती है।

वन विभाग, उत्तराखण्ड

(28)

उत्तरकाशी वन प्रभाग, उत्तरकाशी

उत्तराखण्ड सरकार

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री प्रताप सिंह पोखरियाल, पर्यावरण प्रेमी**, पर्यावरण संरक्षण एवं हरितिमा सम्वर्धन के प्रति समर्पित हैं। इनके द्वारा जनपद के बंजर, पथरीली एवं अत्यधिक ढलान के क्षेत्रों, अपने ग्राम भैंत, वरूणावत पर्वत एवं गंगोत्री क्षेत्र में जैव विविधता को संरक्षित करते हुए दुर्लभ जड़ी–बूटियों के श्याम स्मृति वन स्थापित किये गये हैं। ये वन पर्यावरण जागरूकता प्रसार, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों हेतु उपयोगी केन्द्र हैं।

कोरोना काल में इनके द्वारा स्वप्रेरित प्रयास से कोरोना पीड़ितों हेतु, विभिन्न जड़ी–बूटियों से निर्मित गिलोय रोगनाशक पेय का विभिन्न चिकित्सालयों में निःशुल्क वितरण किया गया।

श्री पोखरियाल जी द्वारा पर्यावरण एवं जड़ी–बूटी संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय एवं प्रशंसनीय हैं। मैं जनकल्याण के लिये प्रतिबद्ध श्री प्रताप सिंह पोखरियाल, पर्यावरण प्रेमी को उनके उद्देश्यों, सफल जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु मंगलमय कामना करता हूँ।

दिनांक 1 मई, 2021

स्थान– उत्तरकाशी।

(दीप चन्द्र आर्य, आई.एफ.एस.)
प्रभागीय वनाधिकारी,
उत्तरकाशी वन प्रभाग, उत्तरकाशी।

(29)

उत्तराखण्ड शासन

प्रशस्ति पत्र

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल पर्यावरण प्रेमी, अध्यक्ष श्याम स्मृति वन पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति भटवाड़ी रोड, उत्तरकाशी के द्वारा जनपद उत्तरकाशी में वनों के संरक्षण एवं विभिन्न स्थानों पर सफल वृक्षारोपण कर पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इनके इस सराहनीय कार्य हेतु इन्हें राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। पर्यावरण के प्रति सराहनीय योगदान/कार्यो हेतु मैं उत्तरकाशी वन प्रभाग की ओर से हार्दिक शुभकामनायें एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँ।

मैं श्री प्रताप सिंह, पोखरियाल पर्यावरण प्रेमी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(संदीप कुमार)
प्रभागीय वनाधिकारी,
उत्तरकाशी वन प्रभाग,
उत्तरकाशी

:: प्रमाण–पत्र ::

प्रमाणित किया जाता है कि श्री प्रताप पोखरियाल, पर्यावरण प्रेमी द्वारा कोविड–19 की पहली/द्वितीय लहर के दौरान जनपद में जन–जागरूकता के साथ–साथ स्थानीय स्तर समन्वय स्थापित करते हुये निःस्वार्थ भाव से लगभग 9000 लीटर गिलोय का जूस/काढ़ा तैयार कर तहसील भटवाड़ी/डुण्डा के विभिन्न ग्रामों, जिला अस्पताल, कोविड केयर सेन्टर व फ्रंट लाईन वर्कस को निःशुल्क वितरित किये गये। इसके साथ ही श्री पोखरियाल द्वारा अपने निजी संसाधनों से लगभग 3500 व्यक्तियों को जनहित में मास्क वितरित किये गये।

श्री प्रताप पोखरियाल, पर्यावरण प्रेमी द्वारा इनके उक्त कार्य हेतु जिला प्रशासन/आपदा प्रबन्धन विभाग इनकी प्रशांस करती है तथा इनके कार्य इस कार्य हेतु इनका धन्यवाद करते हैं।

दिनांक–07.08.2021

07/08/2021

(देवेन्द्र सिंह पटवाल)
आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।

"उत्तरकाशी गौरव सम्मान"

वर्ष– 2021

जनपद उत्तरकाशी का राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति बढ़ाकर अद्वितीय योगदान दिये जाने हेतु

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल

"पर्यावरण प्रेमी" उत्तरकाशी

को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर "उत्तरकाशी गौरव सम्मान" से सम्मानित किया जाता है।

मणिकान्त मिश्रा (आई० पी० एस०)
पुलिस अधीक्षक
उत्तरकाशी।

09 नवम्बर, 2021

मयूर दीक्षित (आई० ए० एस०)
जिला मजिस्ट्रेट
उत्तरकाशी।

(23)

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री प्रताप सिंह पोखरियाल 'पर्यावरण प्रेमी' के द्वारा विकास भवन एव जनपद के विभिन्न कार्यालयो/सरथाओ एव विद्यालयों में हर्बल गार्डन का निर्माण किया गया । कोरोना महामारी के दौरान 2020 एवं 2021 में जनपद में फ्रन्ट लाईन वॉरियर्स, कोविड केयर सेन्टर में भर्ती मरीजों एवं आमजनों को नि:शुल्क गिलोय काढ़ा प्रदान किया गया । जिससे लोगों को कोरोना काल में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काफी मदद मिली । प्रताप सिंह पोखरियाल जी के द्वारा जनपद में 5 स्थानों पर घने वन भी लगाये गये है जो जनपद वासियों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं ।

श्री पोखरियाल जी द्वारा किये गये पर्यावरणीय एवं मानवतापूर्ण कार्यो हेतु इन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है ।

दि. 15 अगस्त 2021

गौरव कुमार 'IAS'
मुख्य विकास अधिकारी
उत्तरकाशी

(26)

गंगा विश्व धरोहर मंच

अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस

INTERNATIONAL MOUNTAIN DAY

Nanda Devi Adventure and Outdoor Education Institute Pvt. Ltd.

11 December 2022

Theme-Women Move Mountains

आयोजन स्थल- नन्दा देवी एडवेंचर, कफलौं, उत्तरकाशी

पर्वत रत्न सम्मान

श्री प्रताप सिंह पोखरियाल 'पर्यावरण प्रेमी'

प्रगति से प्रकृति के संरक्षण हेतु देशभर में पर्यावरण के संदेश को लेकर आपके द्वारा की गयी साईकिल यात्रा एवं सामाजिक प्रेरणादायी उत्कृष्ट कार्यों के लिये आपको ''पर्वत रत्न'' सम्मान से सम्मानित करते हुए गौरव की अनुभूति हो रही है ।

डॉ. शम्भू प्रसाद नौटियाल
संयोजक
गंगा विश्व धरोहर मंच
उत्तरकाशी

मुकेश पंवार
प्रधान
ग्राम पंचायत-अगोड़ा
कार्यक्रम संयोजक

डॉ. सुनील कैंथोला
निदेशक
नन्दा देवी एडवेंचर
आउटडोर एजुकेशन इंस्टिट्यूट
कफलौं, उत्तरकाशी

गंगा विश्व धरोहर मंच

Mission For Conservation of the Himalayan Biodiversity and National River The Ganga along with the essential tributaries.

Gayatri Printers, UKI

भगीरथ सम्मान 2023

यह सम्मान

श्री **प्रताप सिंह पोखरियाल** जी को उनके द्वारा

पर्यावरण के क्षेत्र में

किये गए सराहनीय कार्य के लिए

प्रदान किया जाता है।

गांव-वापसी

संवाद

उत्तराखंड @ २०४७

१२ मार्च २०२३

बमुराधाम, हेरवाल गांव, टिहरी - गढ़वाल

जय श्री राम

श्री आदर्श रामलीला समिति (रजि.), उत्तरकाशी

स्थापना 1952

(सोयायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट सन् 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत)
संख्या- 55/2010-11

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12क(क) के अन्तर्गत पंजीकृत संख्या- 42/71-2014-15

उत्तरकाशी गौरव सम्मान 2015

श्री प्रताप पोखरियाल 'पर्यावरण प्रेमी', भटवाड़ी रोड़, उत्तरकाशी के द्वारा सौम्यकाशी की पौराणिक रामलीला में दृश्य निर्देशक, संयोजक की भूमिका का निर्वहन किया गया। आपके द्वारा रामलीला में किये गये अपूर्व योगदान के लिए श्री आदर्श रामलीला समिति, उत्तरकाशी द्वारा आपका नागरिक अभिनन्दन करते हुए आपको यह

"सम्मान पत्र"

भेंट किया जाता है और आपको

उत्तरकाशी गौरव सम्मान 2015

की उपाधि से विभूषित किया जाता है।

(उमेश प्रसाद बहुगुणा) ([illegible]) संरक्षक	(प्रेम सिंह पंवार) संरक्षक	(रमेश चौहान) वरिष्ठ उपाध्यक्ष	(जयेन्द्र सिंह पंवार) अध्यक्ष
(भूपेश कुडियाल) सचिव	(दिनेश नौटियाल) कोषाध्यक्ष	(गजेन्द्र मटूड़ा 'प्रेमी') निर्देशक	(प्रताप सिंह रावत) संगीत निर्देशक

23 अक्टूबर, 2015 रामलीला मंच, उत्तरकाशी

श्याम स्मृति वन उ० का० हरियाली कार्यक्रम 01.07.2021

विश्व पर्यावरण विद सुन्दर लाल बहुगणा को अपने अवास में परिजात पौधें भेंट करते हुये

मा० मुख्यामंत्री जी के द्वारा प्रेमी को (प्रर्यावरण पुरस्कार) चारों धाम स्मृतिचिन से सम्मनित करते हुये

मा० मुख्यामंत्री भुवन चन्द खडूडी को अपने स्वंम के प्रयासों से बंजर भूमि को हराभरा बनाने हेतु 1971 से निरतंर वृक्षरोपण के 6 विशाल वनों का स्मृति चिन देते हुये प्रताप पोखरियाल जी

09.09. 2010 मा० मुख्यामंत्री द्वारा वन पंचायत सुदृढीकरण सील्ड से सम्मनित करते हुये प्रेमी प्रताप पोखरियाल

संस्था के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुये 9 सितम्बर 2011 वन पंचायत सुदृढिकरण के शुभ अवसर पर मा0 मुमुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' उत्तराखण्ड सरकार मा0 वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री गोविन्द सिंह बिष्ट जी मुख्य वन संरक्षर

प्रताप पोखरियाल के द्वारा स्थापित छः वनों का सी0डी0 भेंट करने के साथ–साथ श्याम वन में वृक्षा करते हुये प्रमुख वन संरक्षक ख्याति जी/उप वनाधिकारी वैश्या जी।

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ के द्वारा मा0 हरवंश कपूर, विधान सभा अध्यक्ष, उत्तराखण्ड सरकार के हाथों से सुभारती सम्मान को ग्रहण करते हुए पर्यावरण प्रेमी प्रताप पोखरियाल

डीएम ने हर्बल वाटिका का किया उद्घाटन, पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधा

उत्तरकाशी/एसएनबी।

हिमालय प्लांट बैंक श्याम स्मृति वन में लाखों वनस्पतियों के साथ साथ हर्बल वाटिका भी बनाई गई

रक्षाबंधन के मौके पर हिमालय प्लांट बैंक स्मृति वन क्षेत्र में आयोजित किया गया कार्यक्रम

उत्तरकाशी : श्याम स्मृति वन क्षेत्र में पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधते जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला।

है, जो शोधार्थियों एवं विभिन्न विद्यालयों व कॉलेजों में छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है। बृहस्पतिवार को रक्षाबंधन के अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने हर्बल वाटिका का उद्घाटन कर इसे स्थानीय वनस्पतियों के संरक्षण व जड़ी-बूटी के संग्रह के लिए उपयोगी बताया। इस दौरान डीएम ने पेड़ों पर रक्षा सूत्र भी बांधा।

डीएम अभिषेक रूहेला ने पर्यावरण प्रेमी प्रताप सिंह पोखरियाल की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यों की सराहना की। रक्षाबंधन के मौके पर डीएम ने वनस्पतियों पर रक्षासूत्र बांधकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण प्रेमी प्रताप पोखरियाल ने कहा कि यह उनकी वर्षों की मेहनत है वे लगातार वन क्षेत्र और बाटिका में पौध रोपण करते आ रहे हैं। इस मौके पर रमा डोभाल, सुभाष चन्द्र नौटियाल, डा. प्रेम सिंह पोखरियाल, सुरेश रतूड़ी, डॉ. शम्भू प्रसाद आदि

जिलाधिकारी ने श्याम स्मृति वन में किया पौधारोपण

उत्तरकाशी : हिमालय दिवस पर बुधवार को श्याम स्मृति वन में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ. बी एस बिष्ट, राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सविता गैरोला, शम्भू नौटियाल, मोहन डबराल, गीता गैरोला, डॉ. महेंद्र पाल परमार मौजूद रहे।

हिमालय दिवस पर रुद्राक्ष का पौधा लगाते मध्य में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, दायीं ओर से पर्यावरण प्रेमी प्रताप पोखरियाल ● साभार- डॉ. शंभू नौटियाल

हिमालय के संरक्षण पर जोर दिया

बीरोंखाल : राजकीय महाविद्यालय उफरैखाल में हिमालय दिवस के मौके पर गोष्ठी आयोजित हुई। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रो. एमएस पंवार ने हिमालय उसकी प्राकृतिक संपदा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही शहीद भगत सिंह कॉलेज दिल्ली के प्रोफेसर सुरेश कुमार बंदूनी ने जल प्रणेता सच्चिदानंद भारती के जल प्रबंधन पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेनू रानी बंसल को हिमालय सम्मान से सम्मानित किया गया। गोष्ठी के बाद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस मौके पर डॉ.वीएस नेगी, महिमानंद ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण देहरादून, 18 सितंबर, 2020

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर उत्तरकाशी के श्याम स्मृति वन में अखरोट के पौधे का रोपण करते (दायें से) विधायक गोपाल रावत व अन्य • साभार डॉ. शंभू नौटियाल

गंगोत्री विधायक ने श्याम स्मृति वन में किया पौधारोपण

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा सहित अन्य संगठनों ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। गंगोत्री विधायक गोपाल रावत ने श्याम स्मृति वन में पौधारोपण किया। जिसमें उन्होंने अखरोट, देवदार, आंवला, दालचीनी, अर्जुन, बेलपत्र, तुलसी एवं गिलोय आदि औषधीय प्रजाति के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों ने जल, जंगल और जमीन को बचाने की शपथ ली गई। इसके अलावा भाजपा ने जिला अस्पताल में पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। गंगा विचार मंच उत्तराखंड के संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में भाजपा डुंडा मंडल ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ जीवन की कामना की। साथ ही नाकुरी शिव मंदिर परिसर में देवदार के 100 पौधे रोपे व नाकुरी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। वहीं नौगांव में भाजपा मंडल की ओर से दिव्यांग विजय पब्लिक स्कूल तुनाल्का में भी जन्मदिन मनाया गया।

हरियाली उत्सव में श्याम स्मृति वन / में जिलाअधिकारी सौरव जैन प्रभागीय वन अधिकारी डा० आई.पी. सिंह व प्रतिनिधि गण वृक्षा रोपण करते हुये प्रेमी के साथ

जागरण

देहरादून, 14 जनवरी 2021 दैनिक जागरण 7

जन सेवा को समर्पित प्रकृति का संरक्षक

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर हर...

हिन्दुस्तान

... • सोमवार • 13 जुलाई • 2015 •

पौधे रोपकर मनाया हरेला

...विध कार्यक्रम

दैनिक जागरण 3

देहरादून 12 मई 2021

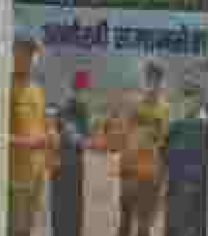

दैनिक जागरण

कलक्ट्रेट परिसर में तैयार किया हर्बल गार्डन

डीएम ने कलक्ट्रेट परिसर में रोपी गिलोय की बेल

वसुधैव कुटुम्बकम बुक आफ रिकार्ड में प्रताप पोखरियाल का नाम दर्ज

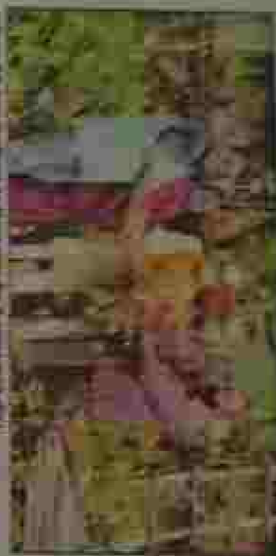

कोरोना : दूसरी लहर से जंग

htriyasahara.com

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में प्रताप पोखरियाल ने कायम की मिशाल

हजारों औषधि और अन्य पौध लगातार उन्हें जीवित रखकर उत्तरकाशी में हिमालय पौधा बैंक की स्थापना की

वर्तमान समय में कोविड 19 के मरीजों के लिए गिलोय का काढ़ा तैयार कर निःशुल्क बांट रहे प्रताप

उत्तरकाशी तलहटी बंजर भूमि पर मिश्रित वन कर दिया तैयार

दैनिक जागरण

गढ़वाल जागरण

www.jagran.com

वरुणावत की तलहटी में मोटर मैकेनिक का अनूठा पर्यावरण प्रबंधन

मोटर मैकेनिक प्रताप पोखरियाल ने उत्तरकाशी में 83 हेक्टेयर बंजर भूमि पर खड़े किए छह मिश्रित जंगल, 200 प्रजातियों के हजारों पौधे

मिश्रित वन में हजारों पौधे

पर्यावरण के प्रहरी हैं प्रताप

मिल चुके कई पुरस्कार

हजारों की पौध तैयार करने से की शुरुआत, 51 साल में रोप चुके हैं 15 लाख पौधे

...ताप पोखरियाल ने 40 वर्षों में रोपे ... लाख पौधे, किया सम्मानित

अमर उजाला

13 लाख पौधे रोपने का मिला पर्यावरण प्रेमी प्रताप को इनाम

"वसुधैव कुटुंबकम बुक ऑफ रिकार्ड्स" में हुआ नाम दर्ज

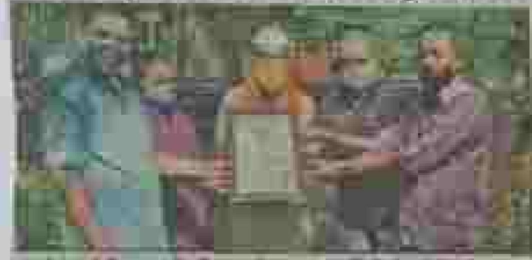

पोखरियाल के ... नाम रिकार्ड दर्ज

...धैव कुटुम्बकम बुक ऑफ रिकार्ड में प्रताप पोखरियाल का नाम द...

मर उजा

200 प्रजाति के पांच लाख से ...

जानवरों ने गांव का रुख किया तो उगा दिया जंगल

पर्यावरण के प्रति जुनून से पनपाया घना जंगल

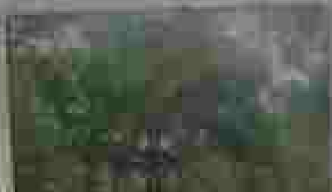

प्रताप ने अपने बलबूते तैयार किया 150 हेक्टेयर का वन

घने जंगल के रूप में दिख रही 40 साल की मेहनत

विश्व पर्यावरण दिवस

अमर उजाला